नव भारत
| संस्थापक : स्व. रामगोपाल माहेश्वरी | प्रेरणा स्त्रोत : स्व. प्रफुल्ल माहेश्वरी |

बिहार : एनडीए की प्रचंड जीत के मायने

बिहार विधानसभा चुनाव 2025 का जनादेश बेहद स्पष्ट है, राज्य की जनता ने विकास, स्थिरता और भरोसेमंद नेतृत्व को प्राथमिकता देते हुए राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन को एक बार फिर सशक्त जनादेश सौंपा है. शुरुआती रुझानों से ही यह संकेत मिलने लगे थे कि जनता बदलाव नहीं, बल्कि निरंतरता चाहती है. अब जब परिणाम लगभग स्पष्ट हैं, यह कहना उचित होगा कि एनडीए की यह जीत केवल राजनीतिक विजय नहीं, बल्कि बिहार के सामाजिक-आर्थिक परिवर्तन की इच्छा का प्रमाण है. 200 से अधिक सीटों तक की बढ़त ने बिहार की राजनीति में एक नया अध्याय लिखा है.

बीजेपी का सबसे बड़ी पार्टी के रूप में उभरना उस राजनीतिक परिपक्वता का संकेत है, जिसने राज्य में दलगत सीमाओं से ऊपर उठकर मजबूत शासन की मांग को प्राथमिकता दी. वहीं जेडीयू ने एक स्थिर सहयोगी के रूप में अपनी विश्वसनीयता फिर सिद्ध की है. इस जीत के साथ मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का नेतृत्व भी एक बार फिर जनता की कसौटी पर सफल साबित हुआ है. इस परिणाम के केंद्र में कई कारक हैं, जिनमें सबसे प्रमुख है, 'डबल इंजन' मॉडल पर जनविश्वास. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के संयुक्त नेतृत्व ने बिहार को उस प्रशासनिक स्थिरता का भरोसा दिया, जिसकी राज्य को अक्सर कमी महसूस होती थी. महिलाओं का भारी मतदान और उनका एनडीए की ओर झुकाव भी इस जीत की रीढ़ रहा. 'जीविका दीदी', 'साइकिल योजना', 'शराबबंदी' जैसे कदमों ने महिलाओं के मन में सुरक्षा, सम्मान और आर्थिक सशक्तिकरण की भावना मजबूत की, जिसका सीधा लाभ एनडीए को मिला. यह तथ्य अनदेखा नहीं किया जा सकता कि बिहार में महिला वोट अब निर्णायक शक्ति बन चुकी है.

बूथ प्रबंधन, उम्मीदवार चयन और समय पर चुनावी तैयारियों ने भी गठबंधन को महागठबंधन पर बढ़त दिलाई. प्रचार के अंतिम चरण में प्रधानमंत्री मोदी की रैलियों ने चुनावी हवा को निर्णायक रूप से एनडीए के पक्ष में मोड़ दिया. इसके विपरीत, महागठबंधन इस बार अपने पारंपरिक सामाजिक समीकरण को भी संभाल नहीं पाया. आरजेडी का 'मुस्लिम-यादव' आधार पहली बार इतना बिखरा दिखा. कांग्रेस का कमजोर प्रदर्शन न केवल संख्या में, बल्कि रणनीतिक दृष्टि से भी गठबंधन पर एक बोझ साबित हुआ.

महागठबंधन की हार के पीछे टिकट वितरण में अव्यवस्था, अंदरूनी असंतोष और वैकल्पिक नेतृत्व की अनुपस्थिति जैसे कारण स्पष्ट रूप से दिखाई देते हैं. तेजस्वी यादव ने प्रचार में ऊर्जा तो दिखाई, लेकिन जनता ने उन्हें अभी भी एक परिपक्व और स्थिर विकल्प के रूप में स्वीकार नहीं किया. यह जनादेश महागठबंधन को आत्ममंथन का अवसर देता है, क्योंकि बिहार की बदलती सामाजिक संरचना को केवल नारों और गठबंधन गणित से नहीं जीता जा सकता.

हालांकि, यह विजय एनडीए के लिए भी कई नए प्रश्न लेकर आती है. बीजेपी के सबसे बड़ी पार्टी बनने के बाद भविष्य में सत्ता-संतुलन को लेकर नए समीकरण तैयार होंगे. नीतीश कुमार को पहले की तरह सर्वसम्मति से स्वीकारा जाएगा या नहीं,यह आने वाले समय में स्पष्ट होगा. किंतु फिलहाल, जनता ने जिस नेतृत्व को जनादेश दिया है, उसकी पहली जिम्मेदारी शासन को स्थिर और विकासोन्मुख बनाए रखना होगी .कुल मिलाकर, बिहार के मतदाताओं ने स्पष्ट संदेश दिया है कि वे स्थिर सरकार, अनुभवी नेतृत्व और मजबूत गठबंधन को प्राथमिकता देते हैं. एनडीए की यह प्रचंड विजय बिहार में विकास और सुशासन के नए अध्याय की शुरुआत है और साथ ही भविष्य के लिए एक गंभीर चेतावनी भी, कि जनता की अपेक्षाएं अब पहले से कहीं अधिक बढ़ चुकी हैं.

नीतीश-मोदी गठजोड़ की जीत

श्याम यादव

> बिहार विधानसभा चुनाव के ताज़ा परिणामों ने राज्य की राजनीति में एक बार फिर बड़ा संकेत दे दिया है. मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में एनडीए को मिली सफलता ने न केवल सत्ता की निरंतरता सुनिश्चित की है, बल्कि यह भी साबित किया है कि बिहार का मतदाता स्थिरता, योजनाओं के धरातली असर और नेतृत्व के भरोसे को प्राथमिकता देता है. इस चुनाव में महागठबंधन को मिली हार, विशेषकर राहुल गांधी और तेजस्वी यादव के नेतृत्व को लेकर उठे सवाल, आने वाले समय में विपक्ष की रणनीति और उसकी कार्यशैली को नए सिरे से परिभाषित करेंगे.

मतदान और प्रचार के दौरान जिन मुद्दों ने बार-बार चर्चा बटोरी, उनमें से सबसे प्रमुख था नीतीश कुमार द्वारा महिलाओं के लिए एक हज़ार रुपये प्रतिमाह की सहायता योजना का वादा. यह योजना ग्रामीण परिवारों, विशेषकर महिलाओं के बीच बेहद लोकप्रिय रही. बिहार में लंबे समय से महिलाओं की भागीदारी, स्वयं सहायता समूहों की मजबूती और साइकिल-पोशाक जैसी योजनाओं से महिलाओं को मिले लाभ की पृष्ठभूमि ने इस घोषणा के प्रभाव को और बढ़ा दिया. यह साफ दिखाई दिया कि महिला मतदाता नीतीश कुमार की ओर एक स्थिर और भरोसेमंद नेतृत्व के रूप में देख रही थीं.

एनडीए के प्रचार का दूसरा आधार था केंद्र की योजनाओं का व्यापक लाभ. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की व्यक्तिगत लोकप्रियता बिहार जैसे राज्यों में अभी भी एक निर्णायक फैक्टर है. प्रधानमंत्री आवास योजना, उज्ज्वला, हर घर जल, मुफ्त राशन और अन्य कल्याणकारी कार्यक्रमों का प्रत्यक्ष असर वोटिंग पैटर्न में झलकता है. बीजेपी ने अपने कोर वोटर्स को मजबूती से साधे रखा और जदयू के साथ तालमेल ने सामाजिक समीकरणों को संतुलित बनाया.

दूसरी ओर, महागठबंधन अपने मुद्दों को व्यापक जनमानस तक प्रभावी ढंग से नहीं पहुँचा सका. कांग्रेस की कमज़ोर संगठनात्मक स्थिति और नेतृत्व की अनुपस्थिति अक्सर बिहार जैसे चुनावों में निर्णायक बन जाती है. राहुल गांधी की रैलियों के बावजूद कांग्रेस कोई अतिरिक्त लाभ अर्जित नहीं कर सकी. तेजस्वी यादव, जो पिछली बार बेरोजगारी मुद्दे पर बड़ी जनाधार वाली छवि बना चुके थे, इस बार वह गति दोबारा पैदा नहीं कर पाए. महागठबंधन का प्रचार जमकर हुआ, लेकिन उसका असर सीमित रहा.

राजनीतिक विशेषज्ञों का मानना है कि बिहार के मतदाता बार-बार बदलाव की बजाय स्थिरता को प्राथमिकता देते हैं. नीतीश कुमार का प्रशासनिक रिकॉर्ड, उनके द्वारा सामाजिक न्याय और विकास के मिश्रित मॉडल को आगे बढ़ाने के प्रयास, और केंद्र के साथ तालमेल ने चुनावों में निर्णायक भूमिका निभाई. नीतीश कुमार भले ही राजनीतिक उतार-चढ़ाव के लिए जाने जाते हैं, लेकिन शासन की निरंतरता और योजनाओं की विश्वसनीयता उनकी सबसे बड़ी पूंजी बनी हुई है. राहुल गांधी और तेजस्वी यादव के लिए यह चुनाव परिणाम बड़ा झटका है. राहुल गांधी अब लगातार कई राज्यों में नेतृत्व की चुनौती झेल रहे हैं. संगठनात्मक मज़बूती, स्थानीय नेताओं के साथ तालमेल और निरंतर सक्रियता—ये तीन पहलू कांग्रेस के लिए लंबे समय से कमज़ोर रहे हैं. बिहार का यह परिणाम पार्टी को एक बार फिर अपनी रणनीति पर पुनर्विचार करने की मजबूरी देगा. तेजस्वी यादव के लिए चुनौती दोहरी है. वह युवा हैं, ऊर्जा रखते हैं, लेकिन जनमानस को अपनी विश्वसनीयता के प्रति पूरी तरह आश्वस्त नहीं कर पा रहे.

अब प्रश्न यह है कि इन परिणामों का आगे क्या असर होगा. एनडीए के लिए यह जीत 2025 के बाद की राजनीति के लिए आधार मजबूत करेगी. बीजेपी अपने संगठन को और विस्तार देगी, विशेषकर उन क्षेत्रों में जहाँ उसका प्रदर्शन तुलनात्मक रूप से कमज़ोर रहा. जदयू के लिए यह मौका है कि वह प्रशासनिक सुधारों, शराबबंदी नीति की समीक्षा, रोजगार के विकल्प और उद्योग-शिक्षा क्षेत्र में ठोस पहल करते हुए अपनी राजनीतिक ज़मीन और मजबूत करे. महिलाओं को आर्थिक सहायता देने की घोषित योजना को लागू करना जदयू के लिए आने वाले महीनों में सबसे बड़ी परीक्षा होगी.

महागठबंधन के लिए यह हार एक संकेत भी है और चुनौती भी. कांग्रेस को बिहार में पुनः खड़ा होने के लिए स्थानीय नेतृत्व विकसित करना होगा. यदि पार्टी संगठनात्मक धरातल पर बदलाव नहीं करती, तो राज्य की राजनीति में उसकी भूमिका सीमित होती जाएगी. आरजेडी को भी यह समझना होगा कि केवल सामाजिक समीकरणों पर आधारित राजनीति अब पर्याप्त नहीं रह गई है. युवाओं के लिए रोजगार, सुशासन, भ्रष्टाचार-मुक्त प्रशासन और विकास की ठोस योजनाओं पर बेहतर तैयारी और स्पष्टता के साथ सामने आने की आवश्यकता होगी. चुनाव परिणाम बिहार की बदलती राजनीतिक सोच का एक और उदाहरण हैं. मतदाता अब योजनाओं की विश्वसनीयता, दैनिक जीवन पर पड़ने वाले सीधे प्रभाव और नेतृत्व की स्थिरता को प्राथमिकता दे रहे हैं.

दिल्ली ब्लास्ट : अब आतंकी सभ्य समाज के मुखौटे में छुप गए हैं.

नए जन विध्वंसक रूप में सामने आया आतंकवाद

प्रो. विवेकानंद तिवारी
अध्यक्ष, आम्बेडकर पीठ एचपीयू, शिमला

दिल्ली में लाल किला के पास सोमवार शाम हुए धमाके की गूंज से दिल्ली सहम गई. आवाज इतनी तेज सुनाई दी कि चार किलोमीटर दूर तक लोग दहशत में आ गए. धमाके बाद घटनास्थल का मंजर बेहद भयावह था. पुलिस जांच में खुलासा हुआ है यह आईईडी ब्लास्ट

देश की राजधानी दिल्ली 10 नवंबर 2025 के दिन कार बम धमाके से दहल उठी. इस धमाके में एक दर्जन निर्दोष लोगो की मृत्यु हो गई तथा तीस से अधिक घायल हो गए. सुरक्षा एजेंसियां बम धमाके के सभी पहलुओ की व्यापक गहराई से जांच करने में जुटी हैं और हर घंटे नए खुलासे हो रहे हैं. गृहमंत्री ने इस आतंकी घटना और इसके षड्यंत्र में शामिल प्रत्येक व्यक्ति तक पहुँचने और उनको कठोरतम दंड देने कि बात कही है. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भूटान की धरती से अत्यंत कड़ा संदेश देते हुए कहा कि इस घटना के षड्यंत्रकारियों को बख्शा नहीं जाएगा, सभी जिम्मेदार लोगों को न्याय के कठघरे मे लाया जायगा.

> इसमें भी बड़ा खतरा यह है कि अब आतंकी उच्च शिक्षित, डॉक्टर, इंजीनियर, शोध छात्र आदि बनकर हैं हमारे आसपास ही रह रहे हैं और हम इन्हें पहचान नहीं पा रहे हैं. अब आतंकी सभ्य समाज के मुखौटे में छुप गए हैं. जैश -ए मोहम्मद के समर्थन वाले पोस्टर लगाने के मामले में सहारपर से जम्मू कश्मीर निवासी आदिल अहमद की गिरफ्तारी के बाद फरीदाबाद में जम्मू कश्मीर के निवासी मुजम्मिल व लखनऊ निवासी शाहीन का पकड़ा जाना फिर कैराना निवासी आजाद सुलेमान शेख व लखीमपुर खीरी निवासी मुहमद सुहेल की गिरफ्तारी से पता चलता है पाकिस्तान में बैठे आईएसआई हैंडलर उत्तर प्रदेश को प्रमुख केंद्र के रूप में इस्तेमाल करने की दिशा में बढ़ रहे है. अक्टूबर 2023 में दिल्ली पुलिस ने लखनऊ से आतंकी संगठन आईएस से जुड़े बीटेक पास युवक मोहमद रिजवान को पकड़ा था.

यह ऐसी पहली आतंकी घटना है जिसकी जिम्मेदारी अभी तक किसी आतंकी संगठन ने नहीं ली है. इसके पीछे उनकी रणनीति यह हो सकती है कि अगर कोई भी आतंकी संगठन इस घटना की जिममेदारी ले लेगा तो फिर उनका संरक्षणदाता पाकिस्तान भारत के सीधे निशाने पर आ जाएगा. भले ही अभी तक किसी बड़े आतंकी संगठन ने इस घटना की जिम्मेदारी न ली हो लेकिन अब जितने भी लोग पकड़े गए हैं उन सभी के तार जम्मू कश्मीर के पुलवामा से लेकर शोपियां जिले तक और फिर जैश -ए -मोहम्मद और अंसार गजावत -उल- हिंद से जुड़े होने की बात कही जा रही है. अभी तक कहा जा रहा है कि दिल्ली में लाल किले के पास हुआ धमाका आतंकियो ने सुरक्षा एजंसियो द्वारा लगातार की जा रही छापामारी, धर-पकड़ और भारी मात्रा में विस्फोटक व हथियार पकड़े जाने के भय से किया है. इसका सीधा तात्पर्य है कि आतंकी एक बड़े हमले को अंजाम देने कि तयारी में थे.

अभी तक एक विमर्श खड़ा करने का प्रयास किया जाता था कि कट्टरपंथी अशिक्षित मुसलमनो को भड़काकर उन्हे आतंकवाद के रास्ते पर ढकेल देते हैं किंतु इस बार पकड़े जा रहे आतंकियों की पूरी जमात पढ़ी लिखी है और अल -फलाह -यूनिवसिर्टी ही ब्रेनवाश का केंद्र थी. दिल्ली बम धमाके में अब तक 18 किरदार सामने आए हैं जिसमें से 10 की गिरफ्तारी हो चुकी है और 8 संदिग्धों को हिरासत में लेकर पूछताछ हो रही है. पूछताछ में मिल रही जानकारी के आधार पर जांच एजेसियां लगातार छापामारी कर रही हैं. यह छापामारी लखनऊ से लेकर जम्मू कश्मीर और गुजरात तक चल रही है. पांच गिरफ्तारियां जम्मू कश्मीर से हुई हैं, उत्तर प्रदेश के सहारनपुर से आदिल अहमद, फरीदाबाद से मुजम्मिल, शकील अहमद और शाहीन शाहिद की गिरफ्तारी हुई है. लखनऊ से शाहीन के भाई परवेज की गिरफ्तारी हुई है. ये सब पेशे से डॉक्टर हैं.

मुस्लिम तुष्टिकरण मे संलिप्त रहने वाले राजनैतिक तत्व भले ही दिल्ली बम धमाके को सुरक्षा एजेंसियो की नाकामी बता रहे हों किंतु यह भी ध्यान रखना होगा कि अगर समय रहते फरीदाबाद से 3000 किलो विस्फोटक न पकड़ा गया होता और संदिग्धों को हिरसत मे न लिया गया होता तो स्थिति कितनी भयानक हो सकती थी. अभी तक जांच एजेंसियां घटना को लेकर जो तार आपस में जोड़ रही है उससे इस आतंकी डॉक्टर माडयूल के तार तुर्किए तक जा रहे हैं. माना जा रहा है कि यह आतंकी पुलवामा आतंकी हमले जिसमें जैश आतंकियो ने एक कार को जवानो के वाहन से टकरा दिया था और 45 जवान शहीद हो गए थे जैसी वारदात को अंजाम देने की योजना बना रहे थे.

महंगाई घटी, रोजगार भी बढ़ने चाहिए

आंकड़ों के इस खेल में आम उपभोक्ता को कितना लाभ हुआ, कहा नहीं जा सकता. त्योहार में बढ़े दाम अभी तक कम नहीं किए गए. इतने पर भी दावा है कि खरीफ की अच्छी फसल की संभावना और अंतरराष्ट्रीय कीमतें कम होने से महंगाई काबू में आई है.

खाद्यान्न कीमतों में गिरावट और जीएसटी दरों में कटौती के परिणाम स्वरूप महंगाई घटकर एक दशक में सबसे नीचे आई है. अक्टूबर 2024 की तुलना में इस वर्ष अक्टूबर में खाद्यान्न कीमत 5 प्रतिशत कम हुई है. खुदरा दामों में केवल 0.25 प्रतिशत बढ़ोतरी हुई है. आंकड़ों के इस खेल में आम उपभोक्ता को कितना लाभ हुआ, कहा नहीं जा सकता. त्योहार में बढ़े दाम अभी तक कम नहीं किए गए. इतने पर भी दावा है कि खरीफ की अच्छी फसल की संभावना और अंतराष्ट्रीय कीमतें कम होने से महंगाई काबू में आई है. सब्जी, दाल, आलू, प्याज, टमाटर के दाम घटे हैं. गेहूं व चीनी की भी भरपूर सप्लाई है. रिजर्व बैंक ने 2.6 प्रतिशत मुद्रास्फीति की संभावना बताई थी जबकि अप्रैल से अक्टूबर के दौरान यह 1.92 प्रतिशत ही रही. रिजर्व बैंक लगातार अर्थव्यवस्था पर कीमतों के दबाव का अधिक अनुमान लगाता रहा. इसलिए उसे फरवरी में 4.2 प्रतिशत से जून में 3.7 प्रतिशत पर और फिर अक्टूबर में 2.6 प्रतिशत पर लाना पड़ा. जीडीपी का द्वितीय तिमाही का आंकड़ा इस माह के अंत में जारी होगा जो विकास संबंधी संकेत देगा. जीएसटी दर में कमी की वजह से खरीदारी बढ़ी है परंतु साथ ही रोजगार, नौकरियां और आय भी बढ़नी चाहिए, अमेरिका की ऊंची टैरिफ दरों की वजह से भारत का निर्यात प्रभावित हुआ है. खुदरा महंगाई दशक में सबसे कम हो जाने से अब रिजर्व बैंक के पास ब्याज दरों में स्थिरता रखने या कटौती की संभावना बन गई है. खुदरा दरों में गिरावट तभी स्थायी रहेगी जब खाद्यपूर्ति सुचारू बनी रहे और कच्चे तेल की कीमतें स्थिर रहें. उम्मीद है कि नवंबर-दिसंबर में भी महंगाई काबू में रहेगी, खुदरा महंगाई से राहत मिलने के लिए जीएसटी दरों में कमी के अलावा तेल, सब्जी व फलों के दाम में गिरावट को मुख्य कारण बताया जाता है. इसके साथ ही परिवहन खर्च भी नियंत्रण में रहा है.

संपादकीय बोर्ड | प्रबंध संपादक : सुमीत माहेश्वरी, समूह संपादक : क्रांति चतुर्वेदी

निशानेबाज

कोई बेहोश, कोई जाता अस्पताल सितारों के स्वास्थ्य पर सवाल

पड़ोसी ने हमसे कहा, 'निशानेबाज, फिल्मी सितारों के लिए समय प्रतिकूल चल रहा है. कोई अचानक बैलेंस जाने से गिर रहा है, कोई बेहोश हो रहा है तो किसी को अस्पताल जाने की नौबत आई. एक जमाने में जंपिंग जैक कहलाने वाले जीतेंद्र अपने डांस के लिए मशहूर थे. श्रीदेवी के साथ ताथैया-ताथैया गाने पर मस्ती के साथ नाचते थे. हाल ही में उन्हें जरीन खान की शोकसभा में चक्कर आया और वह गिर पड़े. इसी तरह डांसिंग स्टार गोविंदा भी जिम में ज्यादा एक्सरसाइज करने के बाद बेहोश हो गए. उन्हें अस्पताल ले जाना पड़ा. ही-मैन धर्मेंद्र अस्पताल से डिस्चार्ज के बाद घर चले गए जहां परिवारजन उनकी देखभाल करेंगे.

हमने कहा, 'व्यक्ति का स्वास्थ्य उसकी अवस्था के अनुसार रहता है. नाचने-कूदने और फाइटिंग सीन देने वाले अभिनेता भी उम्र बढ़ने पर थक जाते हैं. वह नकली बत्तीसी लगाकर, बाल कलर करके अपना बुढ़ापा छुपाते हैं. जैकेट और कैप पहनकर, गले में मफलर या स्कार्फ लपेटकर गर्दन की झुर्रियां छुपाते हैं. अभिनेत्रियां खुद को कमसिन दिखाने के लिए बोटोक्स या सर्जरी करवाती हैं ताकि परी, हर या अप्सरा दिखें. यह शो बिजनेस है वहां जो दिखता है वो बिकता है.'

पड़ोसी ने कहा, 'निशानेबाज, कोई कितना भी मेकअप कर ले लेकिन उम्र छिपती नहीं है. समय देखते ही देखते बीत जाता है. संजय दत्त और अनिल कपूर 60 वर्ष से ज्यादा के हो चुके हैं. तीनों खान सलमान, शाहरूख और आमिर भी 55 से 60 साल के बीच चल रहे हैं लेकिन उन्हें जवान हीरोइन चाहिए.'

हमने कहा, 'पुराने जमाने की अभिनेत्री कामिनी कौशल 98 वर्ष की हैं जिन्होंने 'चेन्नई एक्सप्रेस' में शाहरूख खान की दादी का रोल निभाया था. वैजयंतीमाला भी 90 के ऊपर हैं. 92 वर्ष की आशा भोसले हैं, आशा पारेख, वहीदा रहमान व हेलन 86 साल की हैं. लंबी उम्र के साथ शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य भी अच्छा रहना चाहिए. वृद्धावस्था में सबसे बड़ा खतरा संतुलन बिगड़ने से गिरने का रहता है. बाथरूम में और सीढ़ियों पर विशेष सतर्क रहना चाहिए. खुशमिजाजी और सभी से प्रेम-स्नेह रखते हुए उम्र के इस पड़ाव को मजे से जीना चाहिए.'

शब्द-सागर : डॉ. सागर खादीवाला

CROSS WORD 12081

-डॉ. सागर खादीवाला

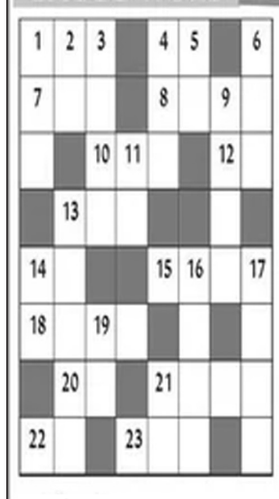

ऊपर से नीचे

1. काठ की छोटी चौकी, मत्तिया, वेदी (सं.) 2. उपरांत, पीछे, अनंतर (उर्दू) 3. मोटे दल या परत वाला 4. पवित्र या शुद्ध करने वाला, पवित्र (सं.) 5. किसी कार्य को भली-भांति करने का कौशल, हुनर, चंद्रमंडल का सोलहवां भाग, आर्ट 6. राणाप्रताप के घोड़े का नाम 9. गौतम बुद्ध की पत्नी 11. एक प्रकार का नाट, रसा, शोरबा 13. एक उड़ने वाला जंतु जिसकी आकृति चूहे के समान होती है 14. एक आंख का, एकाध 16. घृणा (उर्दू) 17. बलपूर्वक, जबरदस्ती 19. तीर, बाण (सं.). 21. पिता, बाप, पूज्य व्यक्ति

बाएं से दाएं

1. बसा हुआ, वस्ती वाला, फलता-फूलता 4. पवित्र, निष्कलंक, निर्दोष (उर्दू) 7. चंदन (उर्दू) 8. वली होना (उर्दू) 10. बरामदा, ओसारा 12. मातम 13. गांजे के वृक्ष का गोंद जिसे नशेबाज पीते हैं 14. कार्य, व्यवसाय 15. धन का राजा 18. गरुड़, मयूर (सं.) 20. भाव, दरवाजा, गुफा 21. वह सरकारी जगह जहां तार द्वारा समाचार भेजे जाते हैं 22. पेड़-पौधों का वह भाग जो जमीन के भीतर रहता है 23. निरंतर, लगातार, सदा

Solution 12080

ब	र	क	रा	र		वी	र
रा	नी		धि		प्र	णा	म
ब		अ	का	र	ण		जा
र	ति	क		ज	य	गा	न
		स्मा	र	क		व	
आ	या	त				त	व
स	च		पी		शं	कि	त
न	क	सी	र		ब	या	न

ज्योतिषाचार्य प्रियंका नारायणशंकर व्यास, कोतवाली बाजार, जबलपुर (म.प्र.)

आज जिनका जन्मदिन है

वर्ष के प्रारंभ में शिक्षा के क्षेत्र में सफलता मिलेगी, यात्रा का योग है,व्यय मेंकमी होगी, व्यवसाय मेंसुधार होगा, वर्ष के मध्य में परिश्रमके उपरांत आंशिक सफलता प्राप्त होगी, शारीरिक कष्ट और मानसिक चिन्ता रहेगी, अत्याधिक व्ययहोगा, वर्ष के अन्त में राजनैतिक लाभ के योग हैं, व्यवसाय मेंवृद्धि होगी.

मेष और वृश्चिक राशि के व्यक्तियों को लाभ प्राप्त होने का योग है, वृष और तुला राशि के व्यक्तियों का मान सम्मान बढ़ेगा, शिक्षा के क्षेत्र मेंवृद्धि होगी, यश कीर्ति बढ़ेगी, सिंह राशि के व्यक्तियों को शत्रु षड़यंत्र से सतर्कता बांछनीय, मिथुन और कन्या राशि के व्यक्तियों को परिश्रम अधिक करना होगा, कर्क राशि के व्यक्तियों को संयम से कार्य करना हितकर रहेगा, मकर और कुंभ राशि के व्यक्तियों का बचपन की मित्रता का लाभ प्राप्त होगा, धनु और मीन राशि के व्यक्तियों को अपनी कार्यक्षमता का परिणाम सुखद प्राप्त होगा.

आज जन्मे शिशु का भविष्य

आज जन्म लिया बालक चंचल, दयालु, सहनशील, न्यायप्रिय, एवं कुछ क्रोधी स्वाभाव का होगा, नौकरी में उच्च पद प्राप्त करेगा, माता पिता को जीवन में सुखी रखेगा, धार्मिक विचारों का होगा, ईश्वर के प्रति आस्था रहेगी, जन्म स्थान से दूर रहकर उन्नति करेगा.

उदयकालीन ग्रह चाल

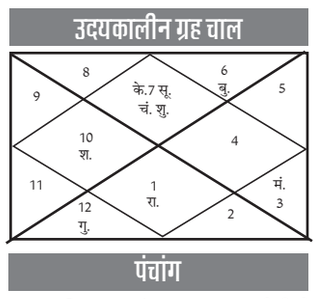

पंचांग

रा.मि. 24 संवत् 2082 मार्गशीर्ष कृष्ण एकादशी शनिवासरे रातअंत 4/24, उत्तराफल्गुनी नक्षत्रे रात 2/13, वैधृति योगे दिन 10/20, वव करणे सू.उ. 6/36, सू.अ. 5/24, चन्द्रचार सिंह दिन 7/23 से कन्या, पर्व- उत्पन्ना एकादशी व्रत, शु.रा. 6, 8, 9, 12, 1, 4 अ.रा. 7, 10, 11, 2, 3, 5 शुभांक- 8, 0, 5.

व्यापार भविष्य

मार्गशीर्ष कृष्ण एकादशी को उत्तराफल्गुनी नक्षत्र के प्रभाव से सोना, चांदी, प्लेटिनम के भाव में तेजी होगी, गुड़ खांड़, चीनी के भाव में उतार चढ़ाव की चाल रहेगी, व्यापारी बाजार का रूख देखकर कार्य करें. भाग्यांक 2212 है.

मेष- व्यापारिक साझेदारी से लाभ होगा, अनुभवी लोगों की सलाह उपयोगी रहेगी, शारीरिक शिथिलता रहेगी, वाद विवाद से बचने का प्रयास करें.

वृषभ- विपरीत हालात में समझौता करने में भलाई है, पुराने कर्ज की परेशानी रहेगी, पारिवारिक जीवन में संतोष रहेगा, व्यवसायिक शिथिलता रहेगी.

मिथुन- नये संपर्क बनेंगे, विवाद से बचना चाहिये, ले देकर काम बना लेंगे, महत्वपूर्ण कार्यों में अवरोध होगा, गुप्त शत्रुओं से सावधानी रखें.

कर्क- किसी की मुलाकात मधुर रिश्तों में बदल सकती है, धार्मिक यात्रा का कार्यक्रम बनेगा, संतान संबंधी शुभ समाचार मिलेगा, मकान आदि के कार्यों में रूचि रहेगी.

सिंह- सुख सुविधा पर खर्च संभव है,दौड़धूप करके भी पूरा लाभ मिलना मुश्किल है, आजीविका की समस्याओं का सरलता से समाधान होगा, कोर्ट के कार्य सफल होंगे.

कन्या- धर्म कर्म में आस्था बढेगी, जीवनसाथी की भावनाओं का ध्यान रखें, अधिनस्थों एवं रक्त संबंधियों का सहयोग मिलेगा, कार्य सिद्धि सरलता से प्राप्त होगी.

तुला- विवाद से बचें, रूखे व्यवहार से मित्र नाराज हो सकते है, नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होने को योग है, आर्थिक समस्याओं का समाधान होगा.

वृश्चिक- भय की स्थिति में फैसला नहीं ले पायेंगे, व्यर्थ की बातों में समय व्यतीत होगा, श्रम साध्य कार्य बनेंगे, व्यापार व्यवसाय लाभप्रद रहेगा.

धनु- अटका धन वसूल होगा, संतान के स्वास्थ्य की चिन्ता रहेगी, आय से अधिक धन व्यय होगा, पारिवारिक जीवन में संतोष रहेगा, दैनिक कार्यों में परेशानी होगी.

मकर- जीवनसाथी के सहयोग से मुश्किलें दूर होंगी, किसी को सहयोग देना पड़ेगा, प्रिय मुलाकात होगी, संतान आदि की समस्या का सरलता से समाधान होगा.

कुम्भ- राजकीय मामले पक्ष में हल होंगे, कानूनी मामले वक्त पर सुलझेंगे, अचानक धन लाभ प्राप्त होगा, किये गये प्रयास सफल होंगे.

मीन- अनुभवी लोगों के साथ कैरियर को नई दिशा मिलेगी, वैवाहिक चर्चाओं में सफलता मिलेगी, धार्मिक कार्य पूजा पाठ, लेखनादि कार्यों में संतोष रहेगा.

SUDOKU 7213

9		6		3		4		8
	2				9		7	
4			1	6				2
		8			2		3	
1		4				2		5
	3		5			8		
7				9	5			3
	8		6				4	
6		2		7		5		1

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक है. इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है. आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 333 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें. ■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते. ■ पहेली का केवल एक ही हल है.

नवभारत सू-डोकू 7212

3	6	5	1	8	2	7	4	9
7	9	2	3	5	4	1	8	6
4	1	8	6	7	9	5	3	2
6	5	9	2	4	8	3	7	1
8	4	7	9	3	1	6	2	5
1	2	3	5	6	7	4	9	8
2	7	6	4	9	5	8	1	3
5	8	1	7	2	3	9	6	4
9	3	4	8	1	6	2	5	7